

SEMESTER-II (POOL-A)

COURSE NAME- 'भारतीय ज्ञान परम्परा'

Number of Credit-2

(CHOI-A55)

Maximum Marks-50

पाठ्यक्रम निम्नप्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा।

इकाई-1. संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक एवं छपनिषद् का सामान्य परिचय।

इकाई-2. व्याकरण शास्त्र (पाणिनी, पतंजलि, कात्यायन)

इकाई-3. काव्यशास्त्र (भरतमुनि, भामह, आनन्दवर्धन, मम्मट एवं विश्वनाथ)

इकाई-4. आयुर्वेद

इकाई-5. योग

सहायक ग्रन्थ-

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा)- डॉ. मंगलदेव शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास- डॉ. उमाशंकर शर्मा
4. अलंकार शास्त्र का इतिहास- डॉ. कृष्णकुमार साहित्य भण्डार, शिक्षा साहित्य प्रकाशक-मेरठ
5. संस्कृत काव्यशास्त्र और काव्य परम्परा- आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली
6. प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास- डॉ. निरंजन सिंह योगमणि
7. योगसूत्र-(महर्षि पतंजलिकृत)- गीता प्रेस गोरखपुर

Course Learning Outcome (पाठ्यक्रम अधिराम से परिलाभ)

उक्त पाठ्यक्रम के अधिराम से विधार्थी भारतीय ज्ञान-परम्परा को आत्मगत करते हुए आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चिंतनाओं से ओतप्रोत हो कर एक सयुक्त व्यक्तित्व निर्माण के साथ परिवार समान एवं राष्ट्र के विकास पथ पर एक सकारात्मक भूमिका निभाने में सफल होगा।